

अंत

असमानताओं का
एड्स का
महामारियों का



नाको समाचार

अक्टूबर - दिसंबर 2021

विषय सूची

- संरक्षक का संदेश 03
- निदेशक का संदेश 04
- संपादक का संदेश 05
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने **विश्व एड्स दिवस 2021** कार्यक्रम का आयोजन किया 06
- देशभर में मनाए गए **विश्व एड्स दिवस** की झलक 07-19
 - ▶ गोवा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ उत्तराखंड स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ गुजरात स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ अंडमान और निकोबार स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ हरियाणा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ केरल स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ हिमाचल स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ सिक्किम स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ मेघालय स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ छत्तीसगढ़ स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ बिहार स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ मुंबई स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ राजस्थान स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ मध्य प्रदेश स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
 - ▶ उड़ीसा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति
- **देखभाल, सहायता और उपचार** सेवाओं की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक 20
- ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए स्थापित **वन-स्टॉप सेंटर** में **राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अपर सचिव एवं महानिदेशक का दौरा** 20
- **ब्राउन बैग संगोष्ठी श्रृंखला-** एक क्रॉस संस्थागत सहयोग 21
- डॉक्युमेंट्री का विमोचन - '**मित्र क्लिनिक- प्राइड एंड बियॉन्ड**' 21
- **समुदाय सुदृढीकरण तंत्र: समुदाय** के लिए, उसके साथ और उसके द्वारा 22
- राष्ट्रीय **LGBTQI+** संगोष्ठी 22
- **संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति:** समेकन और क्रियान्वयन 23
- नेशनल एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की गतिविधियों को सुदृढ करने हेतु राजस्थान का सहायक पर्यवेक्षण दौरा 24
- ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए **जेंडर अफर्मेटिव केयर (जीएसी)** सेंटर 24
- राष्ट्रीय कार्यशाला: '**मुख्यधारा में लाने के प्रयास और उनका सशक्तिकरण**' 25
- **आईईसी, युवा और मुख्यधारा** के घटकों की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक 26
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने '**आज़ादी का अमृत महोत्सव**' के तीनों चरणों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया 27

संरक्षक का संदेश

प्रिय पाठकों,

वर्ष 2021 के इस अंक के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन समाचार में आपका स्वागत है। कहने की आवश्यकता नहीं है कि विश्व एड्स दिवस और न्यू इंडिया@75 के तीसरे चरण के शुभारंभ के साथ यह तिमाही बहुत सारी गतिविधियों से भरी हुई रही है।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने 1 दिसंबर 2021 को 34 वे विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। विश्व एड्स दिवस 2021 के विषय "असमानता समाप्त करें, एड्स समाप्त करें, महामारी समाप्त करें" को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने लैंगिक असमानताओं, उच्च जोखिम वाले समूहों के प्रति भेदभाव, आय असमानता को समाप्त करने और संक्रमित और प्रभावित आबादी को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि "जन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए, सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत वांछित 'किसी को पीछे नहीं छोड़ने' के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमारे प्रयासों को रणनीतिक तरीके से जोड़ना महत्वपूर्ण है।



हमारे समक्ष कोविड-19 को आए दो वर्ष से अधिक हो गये हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी विश्वास और कल्पना से परे बदलाव हुए हैं। चुनौतियों के बावजूद भी राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आनेवाले केंद्र पहले की तरह ही एच.आई.वी. सेवाएं प्रदान करते रहे हैं। परीक्षण किट, दवाओं और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखला को निर्बाध रूप से जारी रखा गया है। एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों के लिए देखभाल प्रयासों को न केवल बनाए रखा गया है बल्कि इसे और संवर्धित किया गया है। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले छह महीनों में लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम के तहत 50 लाख से अधिक उच्च जोखिम वर्ग तथा कमजोर आबादी वाले लोगों तक कार्यक्रम की सम्पूर्ण सेवाएं पहुंचाई गई है। इसी अवधि में, अन्य कमजोर आबादी, गर्भवती महिलाओं और उच्च जोखिम वाले समूहों के बीच 2.25 करोड़ से अधिक एच.आई.वी. परीक्षण किए गए हैं। इस प्रवृत्ति को देखते हुए, हम अनुमान लगा सकते हैं कि यह कार्यक्रम एक करोड़ से अधिक उच्च-जोखिम और कमजोर आबादी को सहकर्मियों के नेतृत्व वाली रोकथाम सेवाओं के व्यापक पैकेज के साथ कवर करेगा और 4.5 करोड़ से अधिक एच.आई.वी. परीक्षण करेगा।

राष्ट्रीय स्तर पर एड्स प्रतिक्रिया में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, आत्मसंतुष्ट नहीं हुआ जा सकता। जैसा कि सतत विकास लक्ष्य के तहत प्रतिबद्ध है, 2030 तक वार्षिक नए एच.आई.वी. संक्रमण और एड्स से संबंधित मौतों में 90% तक की कमी प्राप्त करने के लिए हमें प्रयास करने होंगे और इसके लिए हमें "Break the Silos: Build Synergies" मंत्र को अपनाना होगा।

इसी के साथ मैं पाठकों से आग्रह करता हूँ कि वे कोविड-19 से सम्बन्धित उचित व्यवहार का पालन करते रहें और इस स्थिति से उबरने में हमारी मदद करें। कृपया सुरक्षित रहें।

शुभकामनाएं

आलोक सक्सेना
अपर सचिव एवं महानिदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन

निदेशक का संदेश

नमस्ते!

मैं राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन न्यूज़लेटर के इस संस्करण में सभी पाठकों का स्वागत करती हूँ। यह वर्ष और विशेष रूप से वर्ष की अंतिम तिमाही बेहद आकर्षक रही है। वर्ष की इस अंतिम तिमाही में कई महत्वपूर्ण बैठकें, कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

वर्ष 2021 में विभिन्न बाधाओं के बावजूद, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने में सफल रहा है। भारत में सितम्बर 2021 तक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग 14.10 लाख लोग एंटी रेट्रो वायरल दवाईयों से उपचार प्राप्त कर रहे हैं।



कोविड-19 संकट ने हमें नए नए समाधानों के बारे में सोचने का अवसर प्रदान किया ताकि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सेवाएं प्रभावित न हों। हमें गर्व है कि कार्यक्रम ने एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्तियों के लिए एंटी रेट्रो वायरल दवाओं तथा अन्य सेवाओं की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की है। भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार, लॉकडाउन के दौरान कार्यक्रम ने बड़ी संख्या में यौनकर्मियों को सूखा राशन उपलब्ध कराना, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड बनाने में मदद करने का काम किया जो अभी भी जारी है।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत नई योजनाएं बनाई जा रही हैं तथा कार्यान्वित की जा रही हैं ताकि व्यापक रोकथाम प्रदान की जा सके, नए संक्रमणों को कम किया जा सके और "जोखिम समूह" के बीच एच.आई.वी. का जल्द पता लगाया जा सके और सेवा प्रावधान दिया जा सके। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, 2030 के सतत विकास लक्ष्यों की उपलब्धि के लिए वांछित 'किसी को पीछे नहीं छोड़ने' की अवधारणा को प्रतिध्वनित करता है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और स्टेट एड्स नियंत्रण समितियाँ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया माध्यम का उपयोग कर रहे हैं।

चालू तिमाही में, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने भोपाल, मध्य प्रदेश में 'सामुदायिक सुदृढीकरण तंत्र पर राष्ट्रीय हितधारक परामर्श बैठक का आयोजन किया और राजस्थान राज्य में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम गतिविधियों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अधिकारियों की एक सहायक पर्यवेक्षण दौरा किया।

जैसे-जैसे 2021 समाप्त हो रहा है, हम उच्च जोखिम समूहों और एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों के लाभ के लिए काम करना जारी रखने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं।

मुझे आशा है कि आप इस न्यूज़लेटर को पढ़ने से लाभान्वित होंगे और अपनी प्रतिक्रिया साझा करना जारी रखेंगे।

शुभकामनाएं।

निधि केसरवानी

निदेशक

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन

संपादक का संदेश

प्रिय पाठकों,

वर्ष 2021 की अंतिम तिमाही के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन समाचार में आपका स्वागत है।

इस वर्ष के विश्व एड्स दिवस का कार्यक्रम 1 दिसंबर 2021 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवम परिवार कल्याण सचिव, और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के वरिष्ठ अधिकारी, विकास भागीदारों के प्रतिनिधि और समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



इस तिमाही के दौरान, देखभाल सहायता और उपचार कार्यक्रम में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए विशाखापत्तनम में वार्षिक राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस समीक्षा बैठक ने सभी राज्यों को

नवाचारों और सर्वोत्तम कार्यों को साझा करने और सीखने का अवसर प्रदान किया। छत्तीसगढ़, असम और राजस्थान में आईईसी, युवा और मुख्यधारा के घटकों की तीन क्षेत्रीय स्तर की समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। गतिविधियों की समीक्षा के अलावा, आईईसी अभियानों को मजबूत करने के लिए नवीन और नवाचारी हस्तक्षेपों पर चर्चा की गई।

व्यापक निवारक सेवा वितरण पैकेज के साथ एच.आई.वी. और एस.टी.आई. के लिए "जोखिम समूह" तक पहुंचने के लिए, 14 और 15 दिसंबर 2021 को नई दिल्ली में 'संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति' शुरू करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मुख्यधारा के प्रयासों को मजबूत करने तथा एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के प्रयासों को सुदृढ़ करने के विषय पर राज्यों के अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए 16 तथा 17 दिसम्बर 2021 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने में विभागों के साथ तालमेल बनाने में राज्यों द्वारा अपनाए गए नए दृष्टिकोणों को सीखने का अवसर प्रदान किया।

बेहतर विकासात्मक परिणामों के लिए स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है। आर्थिक दृष्टिकोण से, बेहतर स्वास्थ्य उत्पादकता में सुधार करता है और अकाल मृत्यु, लंबे समय तक विकलांगता और समय से पहले सेवानिवृत्ति के कारण होने वाले नुकसान को कम करता है। भारत सरकार और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन में नेतृत्व राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने और एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों के जीवन में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जैसा कि हम वित्तीय वर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही में आगे बढ़ रहे हैं, मैं कोविड-19 वैश्विक संकट के बीच नवीन तरीकों को अपनाने के माध्यम से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत निर्बाध सेवाएं प्रदान करने में उनके योगदान के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के नेतृत्व और सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। इसके अलावा, मैं इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान राज्य और जिला स्तर पर गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए स्टेट एड्स नियंत्रण समिति द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करता हूं।

मेरी ओर से आप सभी को नव वर्ष की बहुत बहुत शुभकामनाएं।

शुभकामनाएं।

डॉ. अनूप कुमार पुरी

उपमहानिदेशक

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन

World AIDS Day

END | INEQUALITIES
AIDS
PANDEMICS

1st December, 2021

Dr. Ambekar International Centre,
New Delhi



राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने विश्व एड्स दिवस 2021 का आयोजन किया

प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, विभिन्न समुदायों, विकास भागीदारों और दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की भागीदारी के साथ विश्व एड्स दिवस पर एक राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का आयोजन करता है। इस साल यह कार्यक्रम डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री विभाग डॉ. भारती प्रवीण पवार की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। इस कार्यक्रम में श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण; श्री आलोक सक्सेना, अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन; सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और विकास भागीदारों और कई हितधारक मौजूद थे।

इस कार्यक्रम ने **विश्व एड्स दिवस 2021 की थीम "असमानता समाप्त करें एड्स खत्म करें और महामारी समाप्त करें"** के साथ साथ लैंगिक असमानताओं पर ध्यान केंद्रित करने और उससे निपटने, उच्च जोखिम वाले समूहों के खिलाफ भेदभाव, किसी व्यक्ति अथवा समाज की आवाज़ ना सुने जाने की असमानता, आय में असमानता जैसे मुद्दों पर जोर देने के साथ ही संक्रमित और प्रभावित आबादी को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने सम्बन्धी कार्य पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा और राजस्थान राज्यों के रेड रिबन क्लबों के छात्रों ने भी भाग लिया और माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव, के साथ बातचीत की।

डॉ. भारती प्रवीण पवार, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने एच.आई.वी. और एड्स के खिलाफ भारत की लड़ाई में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के प्रयासों और समुदायों, सिविल सोसाइटी संगठनों और विकास भागीदारों के सहभागिता की सराहना की। उन्होंने एक चिकित्सक के रूप में एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित लोगों के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया। माननीय मंत्री द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। ये इस प्रकार हैं:

- एआरटी सेवा 2021 के लिए राष्ट्रीय प्रचालन दिशानिर्देश
- एच.आई.वी. देखभाल और उपचार 2021 हेतु राष्ट्रीय दिशानिर्देश
- प्री-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस पर राष्ट्रीय तकनीकी दिशानिर्देश
- संकल्प तृतीय संस्करण 20215. भारत एच.आई.वी. अनुमान 2020
- भारत में जिला स्तरीय एच.आई.वी. अनुमान और प्राथमिकता 2019

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, श्री राजेश भूषण ने इस तथ्य पर जोर दिया कि असमानताएं और बीमारियां आपस में जुड़ी हुई हैं और असमानताओं में कमी से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में वृद्धि होती है और लोगों के समग्र जीवन स्तर में वृद्धि होती है। श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने उल्लेख किया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम ने एक लंबी यात्रा तय की है। वर्तमान में देश में 34,000 से अधिक परीक्षण केंद्र, 1900 एंटी-रेट्रोवायरल उपचार केंद्र और 1400 लक्षित प्रभावी कार्यक्रम चल रहे हैं, जो एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों और 40 लाख से अधिक उच्च जोखिम वाले समूहों और लक्षित आबादी को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने एच.आई.वी. जागरूकता बढ़ाने के प्रति राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की प्रतिबद्धता दोहराई, एच.आई.वी. से जुड़े भेदभाव के बारे में बात उठाई और सतत विकास लक्ष्यों के तहत एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एड्स महामारी को 2030 तक समाप्त करने की दिशा में एक एकीकृत और उन्नत प्रतिक्रिया का आह्वान किया। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अन्य अधिकारी, विकास भागीदारों से सम्बद्ध गणमान्य व्यक्ति और समुदाय प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

गोवा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

विश्व एड्स दिवस की शुरुआत एक प्रसिद्ध पार्श्व गायिका, गीतकार और सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री हेमा सरदेसाई द्वारा आईईसी वैन को हरी झंडी दिखाकर की गई। सुश्री सपना नाइक ने कला अकादमी के रेड रिबन क्लब छात्रों के साथ मिलकर भरतनाट्यम पाठ भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर

पर गोवा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति के समाचार बुलेटिन का विमोचन किया गया। आईईसी वैन के माध्यम से एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए महीनेभर का अभियान की शुरुआत की गई।



उत्तराखण्ड स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

उत्तराखण्ड स्टेट एड्स नियंत्रण समिति द्वारा देहरादून में विश्व एड्स दिवस 2021 मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड के माननीय स्वास्थ्य मंत्री उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान, चिकित्सको, परामर्शदाताओं, एकीकृत जांच एवं सलाह केंद्र के लैब तकनीशियनों, एसटीआई क्लीनिक, ओएसटी केंद्रों, एआरटी केंद्रों, लक्षित हस्ताक्षेप संगठनों और एकीकृत जांच एवं सलाह केंद्र मोबाइल वैन के

कर्मचारियों को एच.आई.वी./एड्स कार्यक्रम में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उत्तराखण्ड स्टेट एड्स नियंत्रण समिति के कर्मचारी, लक्षित हस्ताक्षेप संगठनों, सरकारी विभागों, निजी संगठनों के प्रतिनिधि, कर्मचारियों के नेतृत्व वाले मॉडल के तहत उद्योग और राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तराखण्ड के छात्र भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।



गुजरात स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

1 दिसंबर 2021 को गुजरात स्टेट एड्स नियंत्रण समिति ने राजकोट में नगर निगम के साथ मिलकर में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर को स्मरण करते हुए श्री आशीष कुमार, आईएएस, उपायुक्त, राजकोटनगर

निगम ने एक रैली को झंडी दिखाकर खाना किया। बैठक के दौरान विभिन्न संगठनों को राजकोट में कोविड-19 महामारी की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।



अंडमान और निकोबार स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

अंडमान और निकोबार स्टेट एड्स नियंत्रण समिति ने विश्व एड्स दिवस, 2021 के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर सभागार, पीबीएमसी, पोर्ट ब्लेयर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। रैली, पेंटिंग प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और एचआईवी / एड्स पर जागरूकता कार्यक्रम जैसी कई अन्य गतिविधियों का आयोजन कार्यक्रम के दौरान किया गया। डॉ. मुन्नी सिंघानिया, निदेशक,

स्वास्थ्य सेवाएं, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन और डॉ. आशीष कुमार मंडल, निदेशक, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह आयुर्विज्ञान संस्थान (एएनआईआईएमएस) ने इस कार्यक्रम में क्रमशः मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया।



हरियाणा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

1 दिसंबर 2021 को, डॉ. वीना सिंह, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा सरकार ने एक पखवाड़े लंबे एच.आई.वी./एड्स जागरूकता अभियान की शुरुआत 40 उबर कैब को झंडी दिखाकर की। इस कार्यक्रम में स्टेट एड्स नियंत्रण समिति के अधिकारी, एकीकृत जांच एवं सलाह केंद्र, DSRC, एंटी रेट्रो वायरल थेरेपी केंद्र और लक्षित हस्तक्षेप गैर सरकारी संगठनों के कर्मचारियों ने भाग लिया। विश्व एड्स दिवस के कार्यक्रम में

फिल्म और टीवी अभिनेता, श्री रंजीत पन्नू भी उपस्थित थे। इस आयोजन के अगले चरण में डॉ. रेणु पहल, परियोजना निदेशक, हरियाणा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति ने करनाल जिले में एच.आई.वी./एड्स जागरूकता संदेशों वाली 50 उबर कैब और फरीदाबाद जिले में ऐसे 500 ऑटो रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



केरल स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

केरल के 14 जिलों में सभी जिलाधीशों और जिला एड्स नियंत्रण अधिकारियों के नेतृत्व में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व एड्स दिवस के राज्य स्तरीय उद्घाटन समारोह में श्रीमती वीना जॉर्ज, माननीय स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास मंत्री, केरल सरकार उपस्थित रहीं। इस वर्ष के विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण '2025 तक केरल में शून्य नये एच.आई.वी. संक्रमण' लक्ष्य की

घोषणा थी। आयोजन के दौरान, इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक रणनीतिक योजना का दस्तावेज भी जारी किया गया। समारोह में डॉ. राजन एन. खोबरागड़े, आईएएस, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण; डॉ. आर रमेश, परियोजना निदेशक, केरल स्टेट एड्स नियंत्रण समिति और स्टेट एड्स नियंत्रण समिति के अधिकारी भी उपस्थित थे।



Department of Health & Family Welfare
Govt. of Kerala - Kerala HEALTH

KERALA MARCHING WITH CONFIDENCE.....

State Strategic Plan for Achieving Zero New HIV Infection in Kerala by 2025



Kerala State AIDS Control Society (KSACS)
Technical Support Unit of KSACS



हिमाचल प्रदेश स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

हिमाचल प्रदेश स्टेट एड्स नियंत्रण समिति ने विश्व एड्स दिवस 2021 पर एक महीने को जागरूकता अभियान के साथ ही न्यू इंडिया@75 अभियान के तीसरे चरण का शुभारंभ किया। हिमाचल प्रदेश स्टेट एड्स नियंत्रण समिति ने इस महीने भर चलने वाले अभियान में जागरूकता पैदा करने के लिए 6 सरकारी

मेडिकल कॉलेजों और लगभग 50 लाइन विभागों और संगठनों को सहभागी बनाया। जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में कई गतिविधियां जैसे संवेदीकरण सत्र, मुफ्त एसएमएस अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।



सिक्किम स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

सिक्किम स्टेट एड्स नियंत्रण समिति ने 1 दिसंबर 2021 को एमजी मार्ग, गंगटोक में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। दिन भर चलने वाले इस कार्यक्रम में स्किट, नृत्य, मीम, हस्ताक्षर अभियान, 1097 राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाइन का प्रचार, एचआईवी परीक्षण और परामर्श, कहानी और कविता पाठ जैसी थीम आधारित गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य आकर्षण मैराथन-'रेड रन' था, जिसे दो वर्गों में वर्गीकृत किया गया था, हाफ मैराथन (21 किमी) - सभी के लिए एवम स्कूल/कॉलेज

के छात्रों के लिए 'वी केयर रन' (10 किमी) का था। कुल 200 प्रतिभागियों ने दौड़ में हिस्सा लिया और एच.आई.वी. से संक्रमित और प्रभावित लोगों का समर्थन करने और एच.आई.वी./एड्स से जुड़े कलंक और भेदभाव के खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, लक्षित हस्तक्षेप भागीदारों, रेड रिबन क्लबों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। श्रीमती संध्या गुरुंग, बॉक्सिंग कोच और प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुईं।



मेघालय स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

विश्व एड्स दिवस के इस अवसर को मनाने के लिए पूरे मेघालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। एच.आई.वी./एड्स

के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए शिलांग में एक कार और बाइक रैली का आयोजन भी किया गया।



छत्तीसगढ़ स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

छत्तीसगढ़ स्टेट एड्स नियंत्रण समिति द्वारा रायपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री टीएस सिंह देव

ने भाग लिया और विभिन्न कर्मचारियों और हितधारकों को उनके काम के लिए सम्मानित किया।



बिहार स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति ने विश्व एड्स दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया, ताकि राज्य भर में एच.आई.वी./एड्स पर काम करने वाले लक्षित और संबंधित समूहों के मध्य जागरूकता फैलाने और शिक्षित करने का कार्य किया जा सके। इस अवसर पर बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति ने एच.आई.वी./एड्स से जुड़े कलंक और भेदभाव के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए साइकिल रैली (साइक्लोथॉन) निकाली। रैली में बीडी कॉलेज के 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया।



मुंबई स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

श्री. हर्षद काले, परियोजना निदेशक, मुंबई डिस्ट्रिक्ट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के मार्गदर्शन में 'विधवाओं के लिए एमसीजीएम समर्थित वित्तीय सहायता योजना' के माध्यम से एक **स्वयं महिला मेलावा** का आयोजन किया गया था। लाभार्थियों को एक साथ लाने और उनके वित्तीय उत्थान हेतु स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए, इस अवसर पर डॉ. श्रीकला आचार्य, अतिरिक्त

परियोजना निदेशक, मुंबई डिस्ट्रिक्ट एड्स कंट्रोल सोसाइटी द्वारा '**स्वयं महिला समूह**' का गठन किया गया था। स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, खाता खोलने, स्वयं सहायता समूह गठन आदि पर सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और सूखे राशन वितरित किए गए।



राजस्थान स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने 1 दिसंबर 2021 को हरीश चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (HCM RIPA), जयपुर में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के चिकित्सा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री. प्रसादी लाल मीणा की विशिष्ट उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रेड रिबन क्लब द्वारा रोल प्ले और जागरूकता

शामिल थी। माननीय मंत्री ने ब्लड बैंक, एकीकृत जाँच एवं सलाह केंद्र, एंटी रेट्रो वायरल थेरेपी केंद्र, यौन संचारित संक्रमण क्लीनिक, रेड रिबन क्लबों के आई/सी, उद्योगों और संगठनों के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, लक्षित हस्ताक्षेप भागीदारों, सामुदायिक प्रतिनिधियों, रेड रिबन क्लबों और अन्य हितधारकों आदि ने भी भाग लिया।



मध्य प्रदेश स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति ने रवीन्द्र भवन में विश्व एड्स दिवस 2021 को मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवाओं के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरित किए गए। एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम,

2017 के विभिन्न प्रावधानों से सम्बंधित जानकारी भी प्रस्तुत की गई और समुदाय के सदस्यों ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारियों और सदस्यों, नोडल अधिकारियों और रेड रिबन क्लब, लक्षित हस्तक्षेप एनजीओ और सहयोगी संगठनों के सदस्यों सहित 450 से अधिक लोगों ने भाग लिया।



ओडिशा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति

ओडिशा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति ने राज्य स्तर पर तीन दिनों के विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री नबकिशोर दास ने मुख्य अतिथि के रूप में राज्य स्तरीय समारोह में ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। माननीय मंत्री ने क्वॉइजर में स्थित एंटी रेट्रो वायरल थेरेपी केंद्र का भी ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया और ओडिशा स्टेट एड्स नियंत्रण समिति के अर्ध-वार्षिक समाचार पत्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. दीनाबंधु

पांडा, अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, डॉ. उर्मिला मिश्रा, परियोजना निदेशक, ओएससीएएस, सभी जिला सीडीएमओ, एडीएमओ, एडीपीएचओ (टीबी), और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के निदेशक, भागीदारों व रेड रिबन क्लब समन्वयक आदि ने भाग लिया। राज्य में कई प्रतियोगिताएं जैसे पेंटिंग, ताड़ के पत्तों पर पेंटिंग, स्लोगन प्रतियोगिता, वेबिनार आदि का आयोजन किया गया।



देखभाल, सहायता और उपचार सेवाओं की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के "देखभाल, समर्थन और उपचार प्रभाग" के अन्तर्गत 11 से 13 नवंबर को विशाखापत्तनम में स्टेट एड्स नियंत्रण समितियों की वार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया। इस बैठक का उद्देश्य पिछले दो वर्षों में अपनाई गई नई कार्यनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए देखभाल, सहायता तथा उपचार कार्यक्रम में हुई प्रगति की समीक्षा करना था। इस तीन दिवसीय समीक्षा बैठक ने

विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाए गए नवाचारों और सर्वोत्तम कार्यान्वयन को एक दूसरे से साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। समीक्षा के दौरान राज्यों के प्रतिनिधियों ने उपलब्ध देखभाल, सहायता तथा उपचार सेवाओं, 95-95-95 की दिशा के ओर प्रगति, उपचार कैस्केड, एट्रिशन इंडिकेटर, वायरल लोड कैस्केड, बजट का उपयोग और प्रस्तावित कार्य पर अपने राज्य में हुई प्रगति का विवरण दिया।



ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए स्थापित वन-स्टॉप सेंटर में अपर सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन का दौरा

श्री आलोक सक्सेना, अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 12 नवंबर 2021 को विशाखापत्तनम के किंग जॉर्ज अस्पताल में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए स्थापित वन-स्टॉप सेंटर (ओएससी) का दौरा किया।

उन्होंने वन स्टॉप सेंटर के अनुभवों के विषय में प्रोजेक्ट एस्पायर और ट्रांसजेंडर समुदाय की तकनीकी टीम के साथ बातचीत की और उचित समय पर एक विशिष्ट चिकित्सा आवश्यकता को मुख्य धारा में लाए जाने सम्बन्धी किये प्रयास के लिए प्रशंसा की।



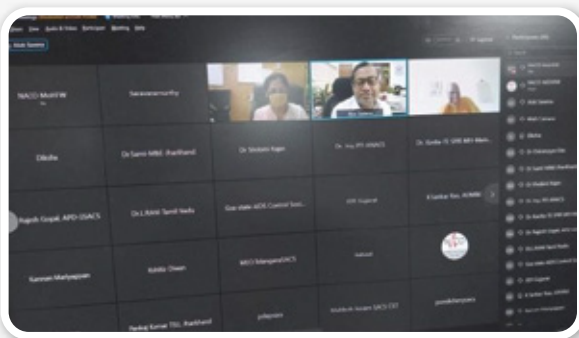
उन्होंने आंध्र प्रदेश में ट्रांसजेंडर लोगों की विशेष स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य सरकारी केन्द्रों में भी इसी तरह के केंद्र स्थापित करने की सलाह दी। टीम ने ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों और हिजड़ा नायकों के साथ भी बातचीत की। ट्रांसजेंडर आबादी हेतु एच.आई.वी सम्बन्धित सेवाओं की

पहुंच तथा स्वीकार्यता में सुधार लाने तथा स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए परियोजना के अंतर्गत जिला एड्स नियंत्रण यूनिट, लक्षित हस्तक्षेप गैर सरकारी संगठनो तथा सामुदायिक सलाहकार बोर्ड से भी समन्वय किया जा रहा है।

ब्राउन बैग संगोष्ठी श्रृंखला- एक क्रॉस संस्थागत सहयोग

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अपनी क्षमता निर्माण पहल के तहत विभिन्न गतिविधियों का संचालन करता रहता है। इसी श्रृंखला के भाग के रूप में, श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में यूएनएड्स अवार्डी फॉर ह्यूमन राइट्स डॉ. बिलाली कमारा, मेडिकल एपिडेमियोलॉजिस्ट द्वारा "देश में एच.आई.वी. कार्यक्रम पर विचार विमर्श और 2030 के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग" विषय पर एक वार्ता आयोजित की गई थी।

दूसरी वार्ता "प्रवास और महामारी" पर प्रो. चिन्मय तुम्बे, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र क्षेत्र, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा आयोजित की गई थी। इस वार्ता में श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन श्रीमती आरती आहूजा, अपर सचिव (स्वास्थ्य), वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के कार्यक्रम प्रबंधक, राज्य एड्स नियंत्रण समितियों और तकनीकी सहायता इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ, शिक्षाविद, शोधकर्ता, विकास और कार्यान्वयन भागीदार, नागरिक समाज और सामुदायिक प्रतिनिधियों आदि ने भी भाग लिया।



डॉक्यूमेंट्री का विमोचन - 'मित्र क्लिनिक-प्राइड एंड बियॉन्ड'

श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव और महानिदेशक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने 'मित्र क्लिनिक - प्राइड एंड बियॉन्ड' पर स्क्रीनिंग डॉक्यूमेंट्री का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से यह देखा गया है कि समुदाय ने अपने स्वास्थ्य अधिकारों और कलंक और भेदभाव के संदर्भ में अपने अथक प्रयासों से एक जगह बना ली है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन किसी भी समुदाय की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने में गहरी दिलचस्पी लेता है। इन उदाहरणों के माध्यम से, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन सशक्त रूप से खुद को कमजोर लोगों का आधार मानता है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के मार्गदर्शन में अवधारणा से लेकर निष्पादन तक, पीईपीएफएआर के तहत भारत में यूएसएआईडी के साथ दीर्घकालिक सहयोग प्राप्त करते हुए फिल्म के सफल विकास के लिए जेएचयू/एक्सलेरेट टीम की सराहना की गई।



समुदाय सुदृढीकरण तंत्र: समुदाय के लिए, उसके साथ और उसके द्वारा

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा भोपाल में **सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन** की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय हितधारक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसका उद्देश्य मॉड्यूल में शामिल किए जाने वाली विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के बारे में जानकारी एकत्र करना और साथ ही सामुदायिक के सुदृढीकरण तंत्र के अन्य आवश्यक घटकों:- सामुदायिक चैम्पियनशिप कार्यक्रम, जिला और राज्य में सामुदायिक संसाधन समूह का गठन स्तर और अंत में भारत के लिए समुदाय सुदृढीकरण तंत्र के राष्ट्रीय मार्गदर्शन दस्तावेज़ के विषय में आम सहमति बनाना था।

विभिन्न हितधारकों ने सामुदायिक सुदृढीकरण तंत्र को लागू करने के सम्बन्ध में वैश्विक और राष्ट्रीय अनुभवों को साझा किया। इस परामर्श से सामुदायिक सुदृढीकरण तंत्र का विषय केंद्र में आया, जो रोकथाम और उपचार दोनों ही क्षेत्रों में परिणाम प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर रहा है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के निदेशक द्वारा यह दोहराया गया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत समुदाय सुदृढीकरण तंत्र, स्वास्थ्य देखभाल को सार्वभौमिक पहुंच के मोर्चे पर प्रगति की ओर ले जाएगा और स्वास्थ्य के उच्चतम प्राप्य मानकों को प्राप्त करने के लिए सभी के अधिकारों को सुनिश्चित करेगा, चाहे वे कोई भी हों या कहीं भी रहते हों।



द्वितीय राष्ट्रीय LGBTQI+ संगोष्ठी

द्वितीय राष्ट्रीय LGBTQI+ संगोष्ठी में, **श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन** ने LGBTQI+ समुदाय की जरूरतों को पूरा करने और उनके लिए सेवाओं के निर्माण पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसके लिए चिकित्सकों और स्वास्थ्य शोधकर्ताओं को बेहतर प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इसे विकसित करने के लिए सामुदायिक मुद्दों पर अत्याधुनिक शोध करना और समुदाय को शामिल करना अनिवार्य है। एक प्रमुख हितधारक होने के नाते राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन चिकित्सा पाठ्यक्रम की समीक्षा में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है, और इसका उद्देश्य समुदाय केंद्रित आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एम्स में एक केंद्र स्थापित करना है। साथ ही यह भी सलाह दी गई कि शिक्षा केंद्रों के साथ गठबंधन बनायें ताकि समुदाय को लाभ पहुंच सके।



संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति: समेकन और क्रियान्वयन



भारत अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुँच गया है कि 2025 तक 95-95-95 लक्ष्यों को प्राप्त करने और अंततः 2030 तक एचआईवी महामारी को समाप्त करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उसे ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के क्रम में, संक्रमण का तेजी से रोकथाम किये जाने के लिए गहन निवारक प्रयासों की आवश्यकता है और बहुत अधिक दर से होने वाली एड्स से संबंधित मौतों को रोकने का प्रयास किया जाना चाहिए। व्यापक निवारक सेवा वितरण पैकेज के साथ एचआईवी और एसटीआई के लिए "जोखिमयुक्त" आबादी तक पहुंचने के लिए, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने 'संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति' के रूप में सेवा वितरण के "इमर्सन लर्निंग मॉडल" के एक नए रूप की परिकल्पना की है। इस पहल को ग्लोबल फंड ग्रांट 2021-24 के तहत आरंभ किया गया है जिससे कि "जोखिम युक्त" नेगेटिव-व्यक्तियों के मध्य एचआईवी के प्रसार को एचआईवी संचरण को रोकने के लिए प्रभावी ढंग से लक्षित और तैयार किए गए हस्तक्षेपों की मदद से रोका जा सके।

संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति उन स्थानों और जनसंख्या समूहों में एचआईवी संक्रमण को रोकने के लिए व्यापक पहुँच और सेवा वितरण मॉडल को सक्षमता से लागू करेगी जो एच.आई.वी. और एसटीआई के लिए "जोखिम युक्त" श्रेणी में हैं और महामारी से प्रभावित हैं यानी वह अत्यधिक जोखिम वर्ग हस्ताक्षेप कि लक्षित जो की परियोजना से जुड़ी नहीं है या वह जो वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से काम कर रहे हैं, उन्हें भेदभाव मुक्त वातावरण में विभेदित दृष्टिकोण के साथ व्यापक सेवा पैकेज प्रदान किया जाएगा।

सम्पूर्ण सुरक्षा कार्यनीति के समेकन और क्रियान्वयन के लिए 14 और 15 दिसम्बर 2021 को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यनीति का क्रियान्वयन एक पायलट परियोजना के रूप में 3 राज्यों गुजरात, पंजाब और तेलंगाणा के 10 जिलों में मार्च 2022 तक शुरू होगा। इसके बाद वर्ष 2022-23 में 10 राज्यों के 65 जिलों में पहले चरण में और दूसरे चरण में अन्य 10 राज्यों के 75 जिलों में लागू होगा। वर्ष 2024 तक कुल मिलाकर, 20 राज्यों में 150 संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति साइटों की योजना बनाई गई है।

कार्यक्रम के दौरान, संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति का अवलोकन और संपूर्ण सुरक्षा रणनीति के तहत अब तक किए गए कार्यों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के लिए उनके संबंधित राज्यों में संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति की कार्यान्वयन योजना को विकसित करने में सहायता हेतु मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में एक मसौदा विकसित किया गया है। यह कार्यनीति विकसित करने में मदद करने के लिए इमर्सन लर्निंग के उद्देश्य से गतिविधियों का भी विवरण भी देता है और यह मसौदा क्षेत्र के अनुभवों के आधार पर विकसित होता रहेगा।

अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, श्री आलोक सक्सेना ने **एसएसएस के "मार्गदर्शन नोट" और "प्रतीकचिन्ह" के साथ** संपूर्ण सुरक्षा कार्यनीति "परामर्श रिपोर्ट" जारी की।

नेशनल एड्स नियंत्रण कार्यक्रम गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए राजस्थान का सहायक पर्यवेक्षण दौरा



सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम गतिविधि की समीक्षा के लिए राजस्थान का दौरा किया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन टीम ने अजमेर शहर में जेएलएन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर में स्थित राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम सुविधाओं का दौरा किया और नशीली दवाओं के इंजेक्शन लगाने वालों के लिए लागू लक्षित हस्तक्षेप परियोजना की समीक्षा की। ओपिओइड सबस्टीट्यूशन थेरेपी (ओएसटी) को शुरू करने, एकीकृत जाँच एवं सलाह

केंद्र/डीएसआरसी में परामर्श की गुणवत्ता, एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। विचार विमर्श के दौरान रोकथाम और उपचार सेवाओं के साथ 'जोखिम युक्त' आबादी तक पहुंचने, कमजोर आबादी के लिए सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान, संसाधनों के विधिवत रूप से प्रयोग और स्टेट एड्स नियंत्रण समिति अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम केन्द्रों आदि का नियमित दौरा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

ट्रांसजेंडर लोगों के लिए जेंडर अफिर्मेटिव केयर (जीएसी) सेंटर

भारत में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए सक्षम वातावरण बनाने और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने की अनुशंसा की है। एलजीबीटीक्यूआई समुदाय के अधिकारों से संबंधित मुद्दों का संज्ञान लेते हुए और समुदाय की मांग पर विचार करते हुए, सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में एक जेंडर अफिर्मेटिव केयर (जीएसी) स्थापित करने का एक पायलट स्तर पर प्रयास भी शुरू किया गया था। ऐसी चर्चा की गई कि ट्रांसजेंडर समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न विशिष्ट दक्षताओं वाले चिकित्सकों हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल की शुरुआत भी की जा सकती है। इस बैठक के दौरान, एम्स-नई दिल्ली, डब्ल्यूपीएटीएच संगठन के प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के प्रतिनिधियों, एटीएचआई संगठन के सीईओ और विभिन्न सामुदायिक विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रतिभागियों के मध्य सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी के वैश्विक प्रचलन और ट्रांसजेंडर समुदाय की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के विषय में चर्चा की।



राष्ट्रीय कार्यशाला: 'मुख्यधारा में लाने के प्रयास और उनका सशक्तिकरण

राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के मुख्यधारा और जीआईपीए अधिकारियों के लिए 'एनएसीपी में मुख्यधारा के प्रयासों को मजबूत करने' सम्बन्धी विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 16 और 17 दिसंबर, 2021 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में उक्त मुद्दे के पक्ष में वकालत करना, मुख्यधारा के प्रयासों और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिभागियों में क्षमता निर्माण करना आदि था।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में श्रीमती राधिका चक्रवर्ती, संयुक्त सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (डीओएसआई) और सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति भी थी। विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी अर्थात् आंतरिक सुरक्षा विभाग; रक्षा विभाग; कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), श्रम और रोजगार मंत्रालय; कोल इंडिया लिमिटेड; बेस्ट, मुंबई और यूएनएआईडीएस, यूएनडीपी; सीडीसी; यूएसएआईडी और पॉजिटिव नेटवर्क के प्रतिनिधियों ने भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में, अपर सचिव और महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने प्रतिभागियों

के साथ अपने विचार साझा करते हुए कहा कि एच.आई.वी. के साथ जी रहे व्यक्तियों तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करने और उन्हें एच.आई.वी. सम्बन्धित सेवाओं से जोड़ने तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने के लिए बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण को अपनाने तथा अन्य कार्यक्रमों के साथ तालमेल बनाने की आवश्यकता है। श्रीमती राधिका चक्रवर्ती, संयुक्त सचिव, डीओएसआई ने कहा कि डीओएसआई और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की गतिविधियों को जोड़ने से बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं को संवेदनशील बनाने और उन तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

कार्यशाला में विभिन्न सत्रों के लिए यूएनडीपी, आईएलओ, विश्व स्वास्थ्य भागीदारों, प्लान इंडिया, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला के दौरान, सुश्री नादिया रशीद, रेजिडेंट प्रतिनिधि, यूएनडीपी ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। इस दो दिवसीय कार्यशाला ने वक्ताओं से सर्वोत्तम कार्यान्वयन, एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और नए दृष्टिकोण का विकास करने का अवसर प्रदान किया।



आईईसी, युवा और मुख्यधारा के घटकों की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक

डॉ. असम और राजस्थान में आईईसी यूथ एंड मेनस्ट्रीमिंग विभाग की क्षेत्रीय स्तर की तीन समीक्षा बैठकों आयोजन किया गया। प्रत्येक राज्य से संयुक्त निदेशक (आईईसी), सहायक निदेशक (युवा), उप निदेशक (सामाजिक सुरक्षा योजना) और संबंधित स्टेट एड्स नियंत्रण समिति के सहायक निदेशकों (जीआईपीए) ने समीक्षा बैठक में भाग लिया। समीक्षा बैठकों के दौरान आईईसी को मजबूत करने से सम्बंधित नये प्रयासों के विषय में चर्चा की गई और राज्यों ने 2022-23 के लिए मसौदा विकसित करने के सम्बन्ध में विचार-मंथन किया। प्रत्येक राज्य के सर्वोत्तम कार्यान्वयन को पायलट स्तर पर शुरू करने एवं उनका दायरा बढ़ाने के सम्बन्ध में चर्चा की गई। व्यय घटक के

अलावा, समीक्षा बैठकों ने भी सर्वोत्तम कार्यान्वयन को बढ़ाने के सम्बन्ध में मार्ग प्रशस्त किया। प्रत्येक राज्य को अपने सोशल मीडिया माध्यमों को मजबूत करने और युवाओं को प्रभावी तरीके से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्टेट एड्स नियंत्रण समिति को उनकी मुख्यधारा की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया और सेवा और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संबंधित विभागों के साथ तालमेल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उक्त मुद्दे की वकालत और अधिकारियों को अधिक संवेदनशील बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया।



राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने सफलतापूर्वक आजादी का अमृत महोत्सव के तीनों चरणों का क्रियान्वयन किया

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने प्रगतिशील भारत के 75 वर्ष और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने एच.आई.वी./एड्स, क्षय रोग और स्वैच्छिक रक्तदान पर तीन प्रमुख जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूरे देश में एचआईवी, टीबी और स्वैच्छिक रक्तदान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भारत के युवाओं की क्षमता का उपयोग करना है। अभियान का पहला चरण 12 अगस्त 2021 को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर डॉ मनसुख मंडाविया, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण केंद्रीय मंत्री द्वारा शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 1,23,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। अभियान का दूसरा चरण 12 अक्टूबर 2021 को डॉ भारती प्रवीण पवार,

माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण द्वारा शुरू किया गया था। लगभग 75,000 छात्र इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सोशल मीडिया माध्यमों पर सीधा प्रसारण किया गया। इस अभियान का तीसरा चरण 1 दिसंबर 2021 को विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम के दौरान शुरू किया गया था। इस आयोजन के माध्यम से, पूरे भारत से बड़ी संख्या में स्कूलों और कॉलेजों ने समुदाय के लिए एचआईवी और एड्स और संबंधित सेवाओं पर सही ज्ञान और जानकारी फैलाने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।





सम्भ्रम जगते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India



National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in



आपकी एच.आई.वी. स्थिति गोपनीय है

आपको अपनी एच.आई.वी. स्थिति का खुलासा
करने के लिए कोई बाध्य नहीं कर सकता

एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम,
2017 के बारे में किसी भी जानकारी के लिए

नाको एड्स ऐप डाउनलोड करें

अंत | असमानताओं का
एड्स का
महामारियों का

अपर सचिव एवं महानिदेशक: श्री आलोक सक्सेना, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

निदेशक: सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादक: डॉ. ए. के. पुरी (डी.डी.जी.) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादकीय पैनल: डॉ. शोबिनी राजन, उप महानिदेशक; डॉ. यू बी दास, उप महानिदेशक; डॉ. भावना राव, उप निदेशक; सुश्री निधि रावत, राष्ट्रीय सलाहकार (आईईसी और एमएस); श्री उत्पल दास, सलाहकार (आईईसी और एमएस); सुश्री कौशांबी मुद्गल, सहयोगी सलाहकार (आईईसी और एमएस), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और शेयर इंडिया टीम

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ई-न्यूज़लेटर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का डिजिटल प्रकाशन है। छठी और नौवीं मंजिल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36-जनपथ, नई दिल्ली - 110001 दूरभाष: 011-43509999, फ़ैक्स: 011-23731746

हमारी वेबसाइट पर जाएं: www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन एवं उत्पादन: द विज़ुअल हाउस, ईमेल: tvh@thevisualhouse.in

आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कृपया अपना सुझाव हमें nacoindianews@gmail.com पर भेजिए।

@NACOINDIA

@NACOINDIA

@NACO_INDIA

@NACOINDIA



Download NACO AIDS APP

Supported By | **SHARE**